वर्ष 4 अंक 1 अक्टूबर 2025

# इतिहास समाचार

www.creativehistory.in

क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट की गतिविधियों का मुखपत्र

इतिहास समाचार भारतीय इतिहास, ज्ञान की परम्पराएँ, लोक-स्मृति आदि के आकलन एवं संकलन-संयोजन के लिए कार्यरत क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट* की गतिविधियों का मुखपत्र है, जिसका प्रकाशन अपने सदस्यों और इतिहास में दिलचस्पी रखनेवाले देश-विदेश के बौद्धिकों के बीच निःशुल्क वितरण के लिए किया जाता है। यह लोक समाज, ग्रामीण इतिहास, लोक-स्मृति, स्थानीय संस्कृति, कला, भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के सेनानियों और उपेक्षित इतिहास के उस पक्ष के दस्तावेजीकरण के लिए प्रतिबद्ध है, जिसे अमहत्त्वपूर्ण मानकर मुख्यधारा के चिंतकों एवं इतिहासकारों द्वारा छोड़ दिया जाता है।

*सोसाइटी एक्ट के तहत सन 2022 में रजिस्टर्ड एक चैरिटेबल ट्रस्ट

संस्थापक न्यासी : रश्मि चौबे • देवेन्द्र चौबे

सलाहकार समिति : अनिल कुमार गोयल (अध्यक्ष), महेंद्र प्रसाद सिंह, डॉ एस. एन. आर. रिजवी, डॉ. हितेन्द्र कुमार पटेल, प्रशांत सी. बाजपेयी, पूनम एस. कुदेसिया और डॉ. उज्ज्वल आलोक (संयोजक)

संपादक-मण्डल : डॉ. रश्मि चौधरी, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. आशीष कुमार पाण्डेय, डॉ. अजय कुमार यादव, राजकुमार संदीप मंडल, प्रदीप कुमार और डॉ. खुसि पटनायक

विशेष परामर्श : नागेंद्र नाथ ओझा, लीलाधार मंडलोई, कृष्ण कुमार, अजय कुमार, डॉ. मणीन्द्र नाथ ठाकुर, डॉ. संजय कुमार, डॉ. सुशील भाटी, डॉ. रामप्रसाद भट्ट, डॉ. जे. एन. सिन्हा, डॉ. दीपक कुमार राय, विद्याशंकर चौबे, रमाकांत उपाध्याय, डॉ. अविरल पाण्डेय, फौद्दार मांझी, डॉ. अखलाक अहमद आहन, डॉ. रेणु शाह, हरिश्चंद्र शर्मा, देश निर्मोही, सुनील सुधाकर, डॉ. पी. रवि, डी.वी. सिंह, बिनोद कुमार सिंह, डॉ. शशांक शेखर, लक्ष्मीकांत मुकुल, डॉ. छाया चौबे, वैरागी प्रभास कुमार चतुर्वेदी, समदर्शी संजय, अनिल कुमार पाठक, वृजभूषण चौबे, गणपत तेली, शकील अंसारी, सत्येंद्र कुमार चौबे और अखिलेश कुमार पाण्डेय

कॉपी एडिटर/तथ्य संकलन समिति : डॉ. संजय कुमार, गनेशी लाल, धीरेश तिवारी, आमिर हमजा और डॉ. मधुलिका बेन पटेल

संपादन / संचालन / परामर्श / सहयोग पूर्णतः अवैतनिक और अव्यवसायिक

## आगामी आयोजन

**13th Creative History Annual Conference**

**13वाँ सर्जनात्मक इतिहास वार्षिक सम्मलेन 2025**

शनिवार, 22 नवंबर 2025; प्रातः 10-30 बजे से
स्थान : बिशनपुर गाँव, घोघरडीहा, मधुबनी, बिहार

**3rd Creative History Annual Lecture 2026**

रविवार, 10 मई 2026; शाम 4-15 बजे से (दिल्ली में)

आयोजक : Creative History Trust
सौजन्य : रंगश्री, दिल्ली & महावीर सिंह मेमोरियल ट्रस्ट & Buxar School of History

## भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन के इतिहास की जमीन है, मेरठ

राव कदम सिंह गुर्जर के गाँव पूठी में 12वां सर्जनात्मक इतिहास वार्षिक सम्मलेन 2024 सम्पन्न/ इतिहास समाचार के अक्टूबर 2024 का हुआ लोकार्पण

मेरठ : "मेरठ भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन के इतिहास की जमीन है। 1857 में यह क्षेत्र अंग्रेजी राज के खिलाफ संघर्ष का एक बड़ा केंद्र था जिसका नेतृत्व किया था राव कदम सिंह गुर्जर ने। किसी भी राष्ट्र का पूरा इतिहास सिर्फ अभिलेखगारों में बैठकर नहीं लिखा जा सकता है। उसके लिए जनता के बीच जाना जरूरी है। बिना उनकी स्मृतियों के इतिहास लेखन पूरा नहीं हो सकता है।" ये बातें मेरठ क्षेत्र के पूठी गाँव के जय किसान इंटर कॉलेज में क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट द्वारा रंगश्री और बक्सर स्कूल ऑफ हिस्ट्री के सौजन्य से 12वें क्रिएटिव हिस्ट्री वार्षिक सम्मलेन 2024 में उभरकर आयी। कार्यक्रम में क्रिएटिव हिस्ट्री द्वारा प्रकाशित इतिहास समाचार के अक्टूबर 2024 अंक का लोकार्पण अतिथियों ने किया। इस अवसर पर इतिहासकार सुशील भाटी ने 22वां कुंवर सिंह स्मृति व्याख्यान, ए. के. गाँधी ने 12वां रामायण चौबे स्मृति लोक व्याख्यान और सुधीर मावी ने 5वां कुमार नयन स्मृति ग्रामीण इतिहास व्याख्यान दिया एवं अध्यक्षता किया इतिहासकार एस. एन. आर. रिजवी ने। इतिहासकार रश्मि

चौधरी ने व्याख्यान प्रसंग पर चर्चा करते हुए 1857 के सेनानियों के 'मन' का विश्लेषण किया और क्रिएटिव हिस्ट्री के सचिव आशीष कुमार पाण्डेय ने बताया कि "मेरठ में शुरू हुआ यह ऐतिहासिक कार्यक्रम भारतीय इतिहास को समझने में भी मदद करेगा।" कार्यक्रम में भाग लेनेवाले अन्य इतिहासकार-लेखक-अध्येताओं में शामिल थे, अशोक चौधरी, देवेन्द्र चौबे, किशोर जायसवाल, मनोज नागर, प्रिंस प्रधान, मनोज रावल, पूनम एस. कुदेसिया, अजय कुमार यादव, प्रियंका कुमारी, आशीष कुमार पाण्डेय आदि। इस अवसर पर 1857 पर केंद्रित कविताओं का पाठ किया - पूनम एस. कुदेसिया, धीरेश तिवारी, अभिषेक पाण्डेय, दिव्य प्रकाश और पुष्प राज ने। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए युवा अध्येता अजय कुमार यादव ने कहा कि "पूठी गाँव के ग्रामीण बुद्धिजीवियों ने ग्रामीण इतिहास की एक नई तस्वीर रखी हैं, जो महत्वपूर्ण है।"

## इतिहास हमें बताता हैं कि दुनिया को बेहतर इंसान ही सुन्दर बना सकते हैं

10 मई क्रांति दिवस पर आयोजित दूसरा सर्जनात्मक इतिहास और 19वां कुंवर सिंह स्मृति व्याख्यान संपन्न

नई दिल्ली : "इतिहास की धारा अनंत होती है। मानव सभ्यता के विकास के इतिहास ने बताया कि दुनिया को बेहतर इंसान ही सुन्दर बना सकते हैं, उन्मादी नहीं। लोक में मौजूद स्रोत बताते हैं कि देश या राष्ट्र के संघर्ष का इतिहास एक ऐसी सामूहिक चेतना का निर्माण करते हैं जो दुनिया को समझने में मदद करते हैं।" ये बातें सेक्युलर हाउस के सभागार में क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट द्वारा समाजवादी शिक्षा संस्थान एवं रंगश्री के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में उभरकर आई। दूसरा क्रिएटिव हिस्ट्री वार्षिक व्याख्यान देते हुए इतिहासकार सलिल मिश्र ने इतिहास लेखन पर बात करते हुए जहाँ इतिहास लेखन की मुश्किलें एवं चुनौतियों पर बोलते हुए अस्मितावादी इतिहास लेखन का उल्लेख किया, वहाँ इतिहासकार जे. एन. सिन्हा ने 19वां कुंवर सिंह स्मृति व्याख्यान देते हुए ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ लड़े बिहार के हथुवा स्टेट के फत्ते साही के संघर्ष को उपनिवेशवाद के खिलाफ एक बड़ा संघर्ष बताया। इतिहासकार रश्मि चौधरी ने इतिहास लेखन में लोकमन को एक बड़ा पक्ष बताया। अध्यक्षता करते हुए इतिहासकार एस. एन. आर. रिजवी ने बताया कि "इतिहास लेखन एक सतत प्रक्रिया हैं और आये हुए नये स्रोत इतिहास को समृद्ध करते हैं।" कार्यक्रम में अखलाक अहमद आहन, पूनम एस. कुदेसिया, पुष्पराज, आमिर हमजा, धीरेश तिवारी, गनेशी लाल, अभिषेक पाण्डेय, दिव्य प्रकाश आदि ने मई दिवस के अवसर पर 1857 और राष्ट्र से जुड़ी कविताओं का पाठ किया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में स्वागत वक्तव्य दिया कलाकार महेंद्र प्रसाद सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत सी. बाजपेयी और 1857 के सेनानी मंगल पाण्डेय के परिवार से जुड़े आशीष कुमार पाण्डेय ने। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए चर्चित लेखक देवेंद्र चौबे ने बताया कि "ऐसे कार्यक्रम इतिहास की समझ बढ़ाते हैं और इतिहास लेखन की प्रक्रिया में लोक स्मृति एवं ग्रामीण बुद्धिजीवियों के महत्व को स्थापित करते हैं।"

## क्रिएटिव हिस्ट्री के दूसरे कार्य-समूह (2025-28) का गठन

क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट की दूसरी कार्यकारिणी (2025-28) : कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण - अध्यक्ष : रश्मि चौबे; इतिहासकार और ट्रस्ट की संस्थापिका। उपाध्यक्ष : रमाकांत उपाध्याय; तकनीकी विशेषज्ञ। सचिव : अजय कुमार यादव; युवा चिंतक। संयुक्त सचिव : प्रियंका कुमारी; युवा अध्येता। कोषाध्यक्ष : अखिलेश कुमार पाण्डेय; रंगकर्मी, ट्रस्ट के। कार्यकारिणी के सदस्य : आशीष कुमार पाण्डेय,

युवा चिन्तक; दीपक कुमार राय, इतिहासकार; अविरल पाण्डेय, अर्थशास्त्री; खुसि पटनायक, युवा लेखिका; बृजभूषण चौबे, इतिहास चिंतक; और संजय कुमार, युवा अध्येता।

सलाहकार समिति (2025-28) : अध्यक्ष : अनिल कुमार गोयल, वित्तीय मामलों के जानकार एवं स्वाधीनता आन्दोलन के इतिहास में गहरी दिलचस्पी। सलाहकार समिति के सदस्य : महेंद्र प्रसाद सिंह, रंगकर्मी; एस. एन. आर. रिजवी, इतिहासकार; प्रशांत सी. बाजपेयी, सामाजिक कार्यकर्ता; हितेन्द्र कुमार पटेल, इतिहासकार; पूनम एस. कुदेसिया, कलाकार। संयोजक : उज्ज्वल आलोक, युवा आलोचक।

बक्सर अध्याय/बक्सर स्कूल ऑफ हिस्ट्री (2025-28) : बक्सर चैप्टर के संयोजक: शशांक शेखर; पत्रकार एवं लोक इतिहास में गहरी दिलचस्पी। सह-संयोजक : डी. वी. सिंह; युवा चिन्तक और 1857 के सेनानी कुंवर सिंह की वर्तमान पीढ़ी के सदस्य। छाया चौबे; युवा चिंतक एवं विश्वविद्यालय सेवा में सहायक प्रोफेसर। सलाहकार : नागेन्द्र नाथ ओझा, देवेन्द्र चौबे, जे. एन. सिन्हा, फौजदार मांझी, दीपक कुमार राय, सीमा पटेल, पी. रवि, सुरेश कांटक, वैरागी प्रभास कुमार चतुर्वेदी, विद्याशंकर चौबे, संजय कुमार, सुशील भाटी, अनिल कुमार पाठक, संजय समदर्शी और पंकज कुमार; सदस्य : परवेज आलम, मधुसुदन चौबे, आशीष कुमार पाण्डेय, राजकुमार ठाकुर, सत्येन्द्र कुमार चौबे, प्रियंका कुमारी, पंकज कुमार, अखिलेश कुमार पाण्डेय, बहादुर मांझी और श्याम जी चौबे।

## क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट के सात सह-न्यासी नामित

क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट के न्यासियों ने ट्रस्ट की 13वीं बैठक में सात सह-न्यासी नामित किये : अनिल कुमार गोयल, आशीष कुमार पाण्डेय, गणपत तेली, प्रियंका कुमारी, रमाकांत उपाध्याय, अजय कुमार यादव और बृज भूषण चौबे। नामित न्यासी ट्रस्ट के कार्य में सहयोग करेंगे।

## ट्रस्ट के कार्य के लिए अनेक समितियों का गठन

पिछले 10 मई 2025 को हुई आमसभा की तीसरी वार्षिक बैठक में क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट ने अनेक समितियों का गठन किया किया तथा उसमें एक संयोजक, एक उप संयोजक समेत तीन सदस्यों को नामित किया। वे समितियाँ और उसके सदस्य हैं : अभिलेखागारिय समिति : रमाकांत उपाध्याय (संयोजक), दीपक कुमार राय (उप संयोजक), सदस्य : आशीष कुमार पाण्डेय, अखिलेश कुमार पाण्डेय, देवेन्द्र चौबे। मीडिया, जनसम्पर्क और वेबसाईट समिति : आशीष कुमार पाण्डेय (संयोजक), सत्येन्द्र चौबे (उप संयोजक), सदस्य : प्रदीप कुमार, प्रियंका कुमारी, शशांक शेखर। पुरस्कार, अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति समिति : देवेन्द्र चौबे (संयोजक), प्रियंका कुमारी (उप संयोजक), सदस्य : रश्मि चौबे, आशीष कुमार पाण्डेय, अजय कुमार यादव। प्रकाशन समिति : अजय कुमार यादव (संयोजक), प्रदीप कुमार (उप संयोजक), सदस्य :

राजकुमार संदीप मंडल, खुसि पटनायक, चंद्रशेखर शर्मा। कानूनी सलाहकार समिति : रमाकांत उपाध्याय (संयोजक), ज्योतिष कुमार गुप्ता (उप संयोजक), सदस्य : अनिल कुमार सिंह, अनिल कुमार पाठक, संजय समदर्शी। कल्याण समिति : अखिलेश कुमार पाण्डेय (संयोजक), रश्मि चौबे (उप संयोजक), सदस्य : आदर्श कुमार मिश्रा, रामानुज यादव, राजीव यादव। आंतरिक गतिविधियां और प्रशासन समिति: आशीष कुमार पाण्डेय (संयोजक), बृजभूषण चौबे (उप संयोजक), सदस्य : अजय कुमार यादव, चन्द्रशेखर शर्मा, सत्येन्द्र चौबे।

## पूठी के मेधावी विद्यार्थी महिमा और तुषार शर्मा को मिली वार्षिक छात्रवृत्ति

पूठी : क्रिएटिव हिस्ट्री के 12वें वार्षिक सम्मलेन के प्रारंभ में कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए जय किसान इंटर कॉलेज, पूठी के मेधावी विद्यार्थी महिमा को तीसरा मोनाको देवी स्मृति वार्षिक छात्रवृत्ति और तुषार शर्मा को दूसरा नन्द किशोर चौधरी वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में आये कवियों ने स्वाधीनता आन्दोलन से जुड़ी कविताओं का भी पाठ किया।

## अहिरौली में बनेगा बक्सर इतिहास स्तंभ और अभिलेखागार

बक्सर : क्रिएटिव हिस्ट्री की परिकल्पना करने वाले चर्चित लेखक देवेंद्र चौबे और इतिहासकार रश्मि चौधरी ने एक बातचीत में बताया कि बक्सर क्षेत्र के इतिहास के दस्तावेजीकरण के लिए शीघ्र ही क्रिएटिव हिस्ट्री द्वारा अहिरौली, बक्सर के गंगा तट पर एक इतिहास स्तंभ एवं अभिलेखागार का निर्माण करवाया जायेगा जो बक्सर क्षेत्र के ऐतिहासिक संदर्भों को जन समाज से जोड़ेगा। ज्ञातव्य हो कि गंगा तट पर बनाने वाले इस इतिहास स्तम्भ की संरचना तैयार करनेवाले तकनीकी विशेषज्ञ की समिति की बैठक में शामिल थे - आईआईटी बीएचयू के पूर्व प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार सिंह, इंजीनियर रमाकांत उपाध्याय, इंजीनियर वेद राम और क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट के संस्थापक न्यासी देवेंद्र चौबे।

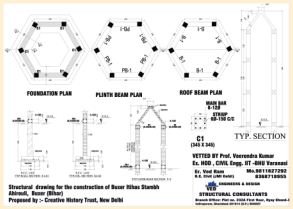


## उपलब्धियाँ

हिमाचल प्रदेश के कथाकार एस. आर. हरनोट आधार सम्मान 2024 से सम्मानित। साहित्य के नोबेल पुरस्कार 2025 से हंगरी के लेखक लास्जलो क्रास्ज्नाहोरकाई सम्मानित। आधुनिक इतिहास पर व्याख्यान देने के लिए इतिहासकार रश्मि चौधरी चीन के शियान अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विश्वविद्यालय में आमंत्रित। लेखिका मधुलिका बेन पटेल सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी पंजाब में एसोसिएट प्रोफेसर और युवा अर्थशास्त्री अविरल पाण्डेय पटना विश्वविद्यालय में नियुक्त। इतिहासकार रश्मि चौधरी और चर्चित लेखक देवेन्द्र चौबे अभ्युदय अंतरराष्ट्रीय सम्मान 2025 से सम्मानित।

## मधुबनी के बिशनपुर गाँव में होगा क्रिएटिव हिस्ट्री का 13वां सम्मलेन

दिल्ली : क्रिएटिव हिस्ट्री के सचिव अजय कुमार यादव ने बताया कि क्रिएटिव हिस्ट्री का 13वां वार्षिक सम्मलेन बिहार के मधुबनी के घोघरडीहा ब्लॉक के बिशनपुर गाँव में शनिवार, 22 नवम्बर 2025 को होगा जिसमें ग्रामीण बुद्धिजीवी तपेश्वर सिंह, गंगाधर कुंवर सहित महावीर सिंह मेमोरियल ट्रस्ट के बिनोद कुमार सिंह, इतिहासकार रश्मि चौधरी, आलोचक उज्जवल आलोक, प्रियंका कुमारी, अर्थशास्त्री अविरल पाण्डेय, लेखक देवेन्द्र चौबे आदि भाग लेंगे। इस अवसर पर 20वां कुंवर सिंह स्मृति व्याख्यान, 13वां रामायण चौबे स्मृति लोक व्याख्यान और 6ठा कुमार नयन ग्रामीण इतिहास व्याख्यान का आयोजन भी होगा।

## ग्रामीण मेला : मिथिला का ऐतिहासिक 'सौराठ सभा' मेला

उत्तर बिहार के गौरव का प्रतीक सौराठ सभागाछी की शुरुआत लगभग 700 वर्ष पहले कर्णाट वंश के राजा हरीसिंह देव ने की थी। सभा के आयोजन के पीछे उनकी सोच थी कि वधू के परिवार को वर ढूढ़ने में परेशानी न हो। साथ ही, सपिंड विवाह न हो। सभा में देश-विदेश से लाखों मैथिल ब्राह्मण आते थे और विवाह बिना दहेज और ताम-झाम के सादगीपूर्ण होता था। सौराठ सभा का आयोजन आज भी वर्ष में एक बार 7 से 11 दिनों तक किया जाता है जिसमें मैथिल ब्राह्मण दूल्हों का मेला सजता है एवं कन्याओं के पिता योग्य वर का चुनाव करते हैं। वर के चुनाव से पहले सौराठ सभागाछी में मुख्य रूप से कुल, मूल और पंजिका पर चर्चा होती है। सबसे खास बात यह है कि यहाँ विवाह कुंडली देख के नहीं; बल्कि, पंजिका अर्थात वंशावली देख के होती है। यद्यपि अब इसकी चमक फीकी पड़ गई है, दूल्हों की संख्या कम होने लगी हैं; फिर भी, वहाँ के कुछ उत्साही लोग आज भी अपने सांस्कृतिक धरोहर को बचाने में लगे हुए हैं।

## याद किये गए ग्रामीण इतिहास कार्यशाला से जुड़े बुद्धिजीवी

अहिरौली : "बक्सर का ग्रामीण क्षेत्र इतिहास की धरती है। क्रिएटिव हिस्ट्री की ग्रामीण इतिहास कार्यशाला से जुड़े इस क्षेत्र के कई ऐसे बुद्धिजीवी हैं, जो आज हमारे बीच नहीं है।" ये बातें बक्सर स्कूल ऑफ हिस्ट्री की ओर से क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट, दिल्ली के सौजन्य से अहिरौली बक्सर के गंगा तट पर आयोजित कार्यक्रम में आयी। प्रतिभागी वक्ताओं में फौजदार मांझी, शशांक शेखर, देवेन्द्र चौबे, वैरागी प्रभास कुमार चतुर्वेदी, कृष्णानंद उपाध्याय, श्रीकृष्णा चौबे, राजकुमार ठाकुर, मधुसूदन चौबे, बहादुर मांझी, शिवाकांत मिश्रा, मृत्युंजय सिंह आदि ने बताया कि "बक्सर के ग्रामीण क्षेत्र में इतिहास के अनेक स्रोत बिखरे पड़े हैं। उन्हें एकत्रित करना एक बड़ा कार्य है। दिवंगत साथी कुमार नयन, मोनाको देवी, पवन नंदन केसरी, अम्बिका दत्त त्रिपाठी व्यास, राधामोहन उपाध्याय, शिवशंकर प्रसाद जायसवाल मौजी, विश्वनाथ प्रसाद शैदा, चन्द्रदेव मिश्रा, कृष्णानंद चौबे, प्रभाकर राय आदि ऐसी ही विभूति थे जिन्होंने ग्रामीण इतिहास को जीया। उनका होना बक्सर के इतिहास का जिंदा रहना भी था।" फौजदार मांझी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

## साहित्य अकादेमी के पटना साहित्योत्सव में जुटे देश-दुनिया के लेखक

पटना : पिछले दिनों बिहार की राजधानी पटना में 25 से 28 सितम्बर तक संस्कृति मंत्रालय एवं बिहार सरकार के सौजन्य से साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित उन्मेष अंतरराष्ट्रीय साहित्योत्सव का आयोजन हुआ जिसमें रचना पाठ के साथ ही समकालीन साहित्य, अस्मितावादी लेखन, ज्ञान-विज्ञान एवं सामाजिक मुद्दों पर गंभीरता से बातचीत हुई। उत्सव में डैनिएल नेगेर्स, उल्फत मुहिबा, मामि यामदा, छादोर वांगमू, वीरसेन जुगासिंह, इरिना बारमेतोव, सुभाषनी लता कुमारी आदि विदेशी लेखकों सहित भारतीय लेखकों में ममता कालिया, माधव कौशिक, अरुण कमल, अमोल पालेकर, शरणकुमार लिम्बाले, हरिवंश, आरिफ मोहम्मद खान, रामबच्चन राय, कांजी पटेल, हृषिकेश सुलभ, चंद्रभान खयाल, जेरी पिंटो, मृत्युंजय कुमार सिंह, अखिलेश, सुबोध सरकार, सोनल मानसिंह, शीन काफ निजाम, प्रतिभा राय, अभय के., विनय कुमार, कुमुद शर्मा, राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, बद्रीनारायण, सुमन केसरी, बोधिसत्व, महादेव टोप्पो, जयप्रकाश कर्दम, माधव हाडा, देवेन्द्र चौबे, अनीस राजन, राजकुमार, वंदना टेटे, अल्पना मिश्र, गरिमा श्रीवास्तव, विनोद खेतान, केसरीलाल वर्मा, विद्यानंद झा, रमण कुमार सिंह, अमरनाथ अमर, राम कृष्ण पेरुगु आदि सहित करीब छह सौ लेखकों ने भाग लिया। यह साहित्योत्सव इस मायने में महत्वपूर्ण था कि यहाँ आये लेखकों ने सरहदों को तोड़ते हुए शब्दों के जरिये दुनिया को समझने एवं एक करने की एक कोशिश की!

## जनता के इतिहासकार : अंतोनियो ग्राम्शी

इतालवी दार्शनिक, लेखक, और इतिहासकार अंतोनियो ग्राम्शी (1891-1937) को सांस्कृतिक और राजनीतिक विचारधारा, विशेष रूप से "सांस्कृतिक आधिपत्य" और "जैविक बुद्धिजीवी" के सिद्धांतों के लिए जाना जाता है। ग्राम्शी को अपने विचारों और कार्यों के कारण जेल में डाल दिया गया था और जेल में ही उन्होंने लेखन कार्य किया, जिसे बाद में उनकी प्रसिद्ध पुस्तक प्रिजन नोटबुक्स में संकलित किया गया। उनके विचारों ने जन इतिहास, समाजशास्त्रीय चिंतन और सांस्कृतिक विचारों के क्षेत्र में गहरा प्रभाव डाला। खासकर, ऐसे तथ्यों को इतिहास के केंद्र में आने का मौका मिला जिसे अमहत्वपूर्ण मानकार इतिहासकार छोड़ देते थे। भारतीय इतिहासकारों में ग्रामीण क्षेत्र में बिखरे पड़े स्रोतों पर कार्य करनेवाले इतिहासकारों में रणजीत गुहा, शाहिद अमीन, ज्ञानेंद्र पाण्डेय आदि के लेखन में ग्राम्शी के विचारों के प्रभाव को देखा जा सकता है।

## उत्तर प्रदेश इतिहास कांग्रेस 2025 का 33वां राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

बरेली : प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्याल, बरेली द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश इतिहास कांग्रेस 2025 के 33वें राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से आये इतिहासकारों ने भारतीय इतिहास के विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करते हुए कहा कि "किसी भी राष्ट्र के निर्माण में ऐतिहासक घटनाओं की बड़ी भूमिका होती है। इतिहास के अध्येताओं का कार्य है कि वे प्राप्त तथ्यों की बारीकी से छानबीन करने के बाद ही उसकी व्याख्या एवं स्थापना करें।" अधिवेशन में भाग लेनेवाले इतिहासकारों में प्रमुख थे - अनिरुद्ध देशपांडे, अतुल कुमार सिन्हा, ओमप्रकाश श्रीवास्तव, के. पी. सिंह, विजय बहादुर सिंह यादव, श्याम बिहारी लाल, रश्मि चौधरी, मनीषा चौधरी, देवेन्द्र चौबे आदि। इस अवसर पर रश्मि चौधरी ने 1985 में स्थापित यू. पी. हिस्ट्री कांग्रेस के संस्थापक सदस्य प्रोफेसर राधेश्याम स्मृति वार्षिक व्याख्यान और मनीषा चौधरी ने फातिमा यास्मिन स्मृति व्याख्यान दिया।

## भाषाई और साहित्यिक संकीर्णता से मुक्त थी मध्यकालीन कविता

जेएनयू में सम्पन्न हुआ तीसरा प्रो. मैनेजर पाण्डेय स्मृति सामाजिक विज्ञान व्याख्यान एवं छठा हमारे समय का साहित्य परिसंवाद

दिल्ली : "आज भारत सहित पूरी दुनिया में जो भाषाई और साहित्यिक संकीर्णता देखने को मिलती है, मध्यकालीन कविता इससे मुक्त रही है। कुतुबन, जायसी और मुल्ला दाउद जैसे कवि भारतीय परम्परा से तो वाकिफ थे ही, इसके साथ ही वे पारसी परम्परा के भी बहुत अच्छे जानकार थे । पर, यह कड़ी अब धीरे-धीरे टूट रही है। हमारी सभ्यताएं समाप्त हो रही हैं। मुझे लगता है, मानव सभ्यता ही साहित्य का भविष्य है जिसे बचाए और बनाए रखने की जरूरत हैं।" प्रसिद्ध आलोचक मैनेजर पाण्डेय की स्मृति में जेएनयू के भाषा संस्थान के समिति कक्ष में छठा हमारे समय का साहित्य श्रृंखला के तहत साहित्य का भविष्य और भविष्य का साहित्य पर आयोजित कार्यक्रम में ये बातें उभरकर सामने आई। तीसरा प्रो. मैनेजर पाण्डेय स्मृति सामाजिक विज्ञान व्याख्यान दिया कवि अखलाक अहमद आहन ने और अध्यक्षता की प्रसिद्ध कवि लीलाधर मंडलोई एवं इतिहासकार हितेंद्र पटेल ने। कार्यक्रम में देवेंद्र चौबे, अजमेर सिंह काजल, वंदना झा, राजू पारगी, अजय कुमार यादव, अरुण प्रताप, फहीम अहमद, एकता वर्मा, धीरेश तिवारी, गनेशी लाल, अभिषेक पाण्डेय, पुष्पराज, आमिर हमजा, दिव्यप्रकाश, प्रांजलि शिवहरे आदि ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर युवा अध्येता परिसंवाद और रचना पाठ सहित, सविता शर्मा नागर एवं राजेश अमरोही द्वारा कथाकार अमृतलाल नागर पर निर्देशित फिल्म "चौक यूनिवर्सिटी का वाईस चांसलर" : अमृतलाल नागर का प्रदर्शन भी हुआ ।

## इतिहास के नायक : महावीर सिंह

उत्तर बिहार के मधुबनी से करीब 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गाँव बिशनपुर 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के प्रसिद्ध सेनानी श्री महावीर सिंह (1907-1992) का गाँव भी है। उनके ऊपर महात्मा गाँधी और उनके द्वारा चलाये जा रहे स्वाधीनता आंदोलन का गहरा असर था। लोग कहते हैं, 1920 के बाद जब भी गाँधी इस क्षेत्र में आये, उन्हें देखने वह जरूर जाते। उनसे मिलते और अंग्रेजी राज के खिलाफ संघर्ष और मुक्ति का भाव लेकर लौटते। गाँधी के आह्वान पर सन '42 के भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया और जेल गए, अंग्रेजों का अत्याचार सहा, पर राष्ट्र की मुक्ति का भाव कभी गया नहीं।

## आखों देखा इतिहास : बावनी इमली का इतिहास

उत्तर प्रदेश : फतेहपुर जिले के खजुहा ब्लॉक के रसूलपुर (वर्तमान नाम - पारदान) गांव के बावनी इमली के इतिहास की एक अलग ही कहानी है। यहां पर 28 अप्रैल 1858 को जोधा सिंह अटैया और अन्य सेनानियों को कर्नल क्रस्टाइज की घुड़सवार सेना द्वारा बंदी बना लिया गया। यहीं पर इस इमली के पेड़ में 52 क्रांतिकारियों को एक साथ फांसी दी गई, तभी से यह स्थान बावनी इमली के नाम से प्रसिद्ध है। जनता को आतंकित करने के लिए अंग्रेजों ने कई दिनों तक शवों को पेड़ पर लटकाए रखा। बाद में 3-4 जून 1858 को ठाकुर महाराज सिंह ने अपने 900 क्रांतिकारियों के साथ इनके अस्थिपिंजरों को उतारकर शिवराजपुर घाट पर अंतिम संस्कार किया। फांसी का समाचार क्रांतिकारी साथी विपाती चमार ने घर पर दिया।

## नयी किताबें

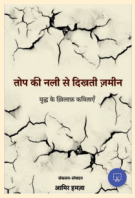


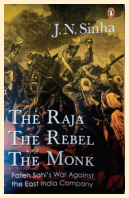


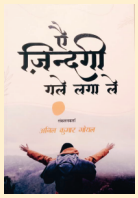


***The Raja, The Rebel and The Monk*** : Fateh Sahi's War Against The East India Company: J. N. Sinha; कहानी का रास्ता : संतोष चौबे; तोप की नली से दिखती जमीन : सं. आमिर हमजा; आलोचना के नए क्षितिज : देवेन्द्र चौबे; ऐ जिन्दगी गले लगा ले (कवितायें): अनिल कुमार गोयल; तीरगी में रौशनी : सुनील कुमार शर्मा; चिंतन की परम्परा और दलित साहित्य : सं. श्यौराज सिंह बेचैन और देवेन्द्र चौबे; कचपचिया : राना इशरत

## आगामी प्रकाशन

ग्रामीण इतिहास; सं. देवेन्द्र चौबे, दीपक कुमार राय, रश्मि चौधरी; इतिहास की सरहदें : रश्मि चौधरी, देवेन्द्र चौबे; यह, वह देश तो नहीं (मॉरिशस: एक सामाजिक यात्रा) : देवेन्द्र चौबे

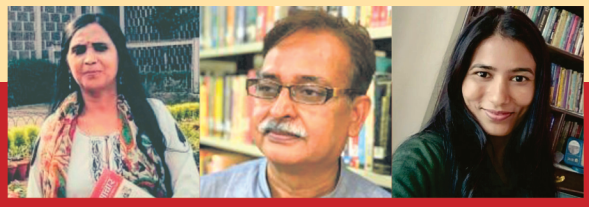

## क्रिएटिव हिस्ट्री इतिहास के क्षेत्र में हो रहे अध्ययन का एक नया क्षेत्र है...

क्रिएटिव हिस्ट्री के कार्य पर इतिहासकार रश्मि चौधरी, चर्चित लेखक देवेन्द्र चौबे और युवा अध्येता प्रियंका कुमारी के मध्य बातचीत

### क्रिएटिव हिस्ट्री क्या है?

क्रिएटिव हिस्ट्री अर्थात सर्जनात्मक इतिहास की धारणाओं को लेकर हम सबके बीच भी लगातार बातचीत होते रही हैं। आप कह सकते है कि इतिहास के क्षेत्र में हो रहे अध्ययन का यह एक नया क्षेत्र है, जिसमें अध्येताओं का समूह इतिहास निर्माण की प्रक्रिया से जुड़कर अभिलेखागारों में मौजूद तथ्यों के समानांतर लोक (समाज) में मौजूद स्रोतों को स्थानीय ग्रामीण अध्येताओं की स्मृतियों के आधार पर इतिहास निर्माण की प्रक्रिया और उसके लेखन को पूरा करते हैं। यह कहा जा सकता है कि यहां इतिहास लेखन कोई व्यक्तिगत प्रयास नहीं, बल्कि यह इतिहास के समझ और लेखन की एक सामूहिक प्रक्रिया है जो निरंतर उन ऐतिहासिक महत्वपूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यशाला और परिसंवाद के जरिए इतिहास के प्राथमिक स्रोतों का संकलन, उसकी तार्किक व्यवस्था, विवेकशील विश्लेषण और निष्पक्ष मूल्यांकन के आधार पर ग्रामीण इतिहास लेखन की प्रक्रिया को पूर्ण करता है।

### क्रिएटिव हिस्ट्री के कार्य का क्षेत्र क्या है?

दरअसल, आधुनिक भारत का इतिहास केवल मुख्यधारा का इतिहास नहीं है। क्रिएटिव हिस्ट्री इस दिशा में मेरा गाँव, मेरा इतिहास (My Village, My History) परिसंवाद के जरिये ग्रामीण बुद्धिजीवियों के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्र में मौजूद उन ऐतिहासिक स्रोतों को अपने अध्ययन का आधार बनाया जिनका गहरा सम्बन्ध राष्ट्र के इतिहास के साथ था। आरंभिक वर्षों में क्रिएटिव हिस्ट्री से जुड़े अध्येताओं ने अपने अध्ययन के लिए 1764 के बक्सर-युद्ध (Battle of Buxar) के लिए मशहूर बक्सर के ग्रामीण क्षेत्रों को अपनी कार्यशाला बनाया। कारण, यह क्षेत्र प्राचीन काल से ही मगध साम्राज्य के साथ हुए युद्धों, मध्यकाल में 1539 में शेरशाह सूरी और हुमायूं के बीच हुए चौसा-युद्ध, आधुनिक काल में 1764 का बक्सर-युद्ध और 1857 का केंद्र रहे जगदीशपुर आदि के लिए चर्चित रहा है। आज भी बक्सर के ग्रामीण क्षेत्रों में इन युद्धों के प्रभाव और चेतना को देखा जा सकता है। यहां तक कि इस क्षेत्र की मिट्टी, पानी और यहां की हवाओं में क्षेत्र में घटित इतिहास की अंतरंग ध्वनियों को महसूस किया जा सकता है। इस क्षेत्र के हर व्यक्ति की जबान पर आपको प्राचीन-मध्यकाल में हुए युद्ध और भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन से संबंधित इतिहास की कहानियां गूंजती हुई सुनाई देगी। कही बद्री सिंह बागी सुनाई पड़ेंगे तो कही संन्यासी बाबा के भारत छोड़ो आन्दोलन की चमत्कारी घटनाएं! 1764 के बक्सर-युद्ध के कथकौली के मैदान में आपको अंग्रेज कप्तान हेक्टर मुनरो के विजय स्तम्भ के समानांतर ग्रामीणों द्वरा बनाई गई सैय्यद अब्दुल गुलाम और अब्दुल कादिर रहमतुल्लाह की 260 वर्ष पूर्व बने स्मारक के ऐतिहासिक चबूतरा दिखलाई पड़ जाएगा। इसलिए समूह के अध्येताओं को महसूस हुआ कि इतिहास की इस नयी धारा एवं उसकी चेतना को समझने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करना जरूरी हैं। हाल के वर्षों में इतिहास समूह से जुड़े अध्येताओं ने भी महसूस किया कि ग्रामीण क्षेत्र में बिखरे इतिहास के मौजूद स्रोतों का संकलन, आकलन और उनका दस्तावेजीकरण करना जरूरी है।

### भारतीय इतिहास लेखन के क्षेत्र में क्रिएटिव हिस्ट्री की भूमिका को आपलोग किस तरह से देखते हैं?

यह एक नई पहल है, थोड़ा ठहराव तो होगा; पर, धीरे-धीरे इतिहास के क्षेत्र में एक हलचल भी पैदा करेगा। आगे आनेवाले दिनों में वैसे संदर्भ जो इतिहास लेखन की प्रक्रिया से छूट गए थे, वे संदर्भ भी इतिहास का हिस्सा बनेंगे; खासकर ग्रामीण तथ्य। यही इस कार्य क्षेत्र से जुड़े सभी अध्येताओं की भूमिका होगी, जो इतिहास के विस्तार का भविष्य भी होगा।

सन 2022 में स्थापित, क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट समाज, विशेषकर ग्रामीण समाज में सृजनात्मकता और इतिहास के विकास के लिए रजिस्टर्ड एक ट्रस्ट है जो इनकम टैक्स छूट की धारा 80G(5) और 12AB(1)(इ) के लिए भी 2024 से मान्य है।

क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित एवं स्वाति कम्युनिकेशन्स द्वारा मुद्रित

CREATIVE HISTORY TRUST

क्रिएटिव हिस्ट्री ट्रस्ट
34/1, फ्लैट: ई-1, डेसू रोड, महरौली, नई दिल्ली-110030
ई-मेल: creativehistorygroup@gmail.com
वेबसाईट: creativehistory.in
रंगश्री, 72, पॉकेट-4, सेक्टर-12, द्वारका, नयी दिल्ली-110078